आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 19 लखनऊ, शुक्रवार 21 अगस्त से 27 अगस्त, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

कोरोनाकाल में विधानसभा का सत्र, शोक संवेदना के बाद कार्यवाही स्थगित

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के बीच आज उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन दिवंगत सदस्यों, गलवानी घाटी में शहीद जवानों व कोरोना वरियर्स के निधन पर शोक प्रस्ताव के बाद सदन की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा की कार्यवाही ११ बजे से वन्देमातरम के साथ शुरू हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार के मंत्री रहे चेतन चौहान व कमल रानी वरुण और विधायक वीरेंद्र सिंह सिरोही और पारस नाथ यादव के निधन पर शोक जताया। मुख्यमंत्री योगी ने उत्तरप्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे व मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन समेत सदन के २० पूर्व सदस्यों को भी उनके निधन पर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान चीन से संघर्ष में गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों और कोरोना काल में लोगों की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले कोरोना योद्धाओं के प्रति भी शोक संवेदना

व्यक्त की। इसके बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों की तरफ से ललई यादव, बसपा दल के नेता लालजी वर्मा, कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, सुहेलदेव, भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर और अपना दल के नील रतन पटेल ने भी सभी दिवंगतों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए अपने–अपने दल की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने भी श्रद्धांजलि देते हुए सभी दिवंगत नेताओं एवं अन्य को याद किया। उन्होंने सदस्यों को आश्वस्त भी किया कि सदन की तरफ से सभी दिवंगतों के परिजनों के पास शोक संवेदना भेजी जाएगी। अंत में शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। फिर विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को ११ बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। उधर, विधान परिषद में भी पहले दिन शोक संवेदना व्यक्त करने के बाद सदन की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। उप्र विधान मंडल का मनसून सत्र २४ अगस्त तक चलेगा। इस दौरान २२ और २३ अगस्त को शनिवार और रविवार के चलते सदन की कार्यवाही स्थगित रहेगी।

व्यापार के अवसर तलाशने के लिए उत्तर प्रदेश और फ्रांस ने मिलकर हाथ मिलाया

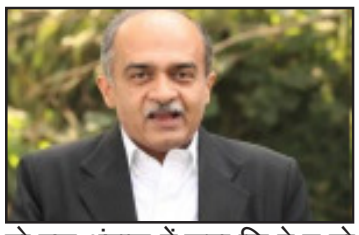

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एमएसएमई विभाग और फ्रांस में भारतीय राजदूत जावेद अशरफ ने रक्षा एवं एयरोस्पेस, टेक्स्टाइल, जूते और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में

संभावना तलाशने के लिए हाथ मिलाया है और एक कार्यदल गठित करने पर सहमति व्यक्त की है। राज्य के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बुधवार को वीडियो कन्फ्रेंस के माध्यम से जावेद अशरफ के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने निवेश को बढ़ावा देने के लिए नियमों में ढील देते हुए राज्य सरकार द्वारा की गई पहल पर प्रकाश डाला है। सिंह ने कहा कि महामारी ने राज्य को बाधित आपूर्ति चौन को स्थानांतरित करने का अवसर प्रदान किया है। उन्होंने कहा, "भारत और उत्तर प्रदेश से फ्रांस के लिए से निर्यात की प्रतिशत क्षमता बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। ग्रेटर नोएडा में जेवर हवाई अड्डे के पास मैंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल (एमआरओ) के लिए एक बड़ी भूमि पार्सल बनाया गया है, जो फ्रांसीसी कंपनियों को निवेश के अवसर प्रदान कर सकता है।" अतिरिक्त मुख्य सचिव (एमएसएमई और एक्सपोर्ट प्रोमोशन) नवनीत सहगल ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की नीतियों को समझाया। उन्होंने कहा, "उत्तर प्रदेश में उत्ेष्ट नीतियां और अवसर हैं और यह राज्य में निवेश को बढ़ावा देने और राज्य से बाहर विभिन्न देशों को निर्यात करने का एक शानदार अवसर है।" उन्होंने कहा कि राज्य की कनेक्टिविटी, निवेश नीतियां और आगामी बुनियादी ढांचा इसे एक आकर्षक निवेश केंद्र बना देगा। फ्रांस में भारतीय राजदूत ने कहा कि उप्र, निवेश और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए फ्रांस से संपर्क करने वाला पहला राज्य था और साथ ही कहा कि राज्य हालिया सालों में अपनी छवि बदलने में सफल रहा। मंत्री ने कहा, "उन्होंने संकेत दिया कि कोविड –१६ महामारी के बाद विदेशों में स्थित फ्रांसीसी कंपनियां या तो फ्रांस वापस लौटने की योजना बना रही थी थीं या चीन का विकल्प तलाश रही थीं। फ्रांस यूरोपीय संघ के बाजार का प्रवेश द्वार है और उत्तर प्रदेश के लिए यह एक आकर्षक अवसर हो सकता है।"

मोदी ने राजीव गांधी की जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जंयती पर नमन किया। स्व. गांधी की आज ७५ वीं जंयती है। मोदी ने स्व. गांधी को जंयती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जंयती पर श्रद्धा सुमन।"स्व. गांधी देश के छठे और सबसे कम ४० वर्ष की आयु में प्रधानमंत्री बने थे। उनका कार्यकाल १६८४ से १६८६ तक था।

प्रशांत ने कहां– मुझे सजा मंजूर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जाने–माने वकील और सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत भूषण ने अदालत की अवमानना के मामले में माफी मांगने से इनकार कर दिया है। अपने दो विवादित ट्विट के लिए अवमानना का दोषी ठहराए जाने के बाद गुरुवार को सजा पर हुई सुनवाई के दौरान उन्होंने

दो टूक अंदाज में कहा कि वे न तो माफी मांगेंगे और न अदालत से किसी तरह की उदारता दिखाने की अपील करेंगे। उन्होंने कहा कि वे सजा भुगतने को तैयार हैं। प्रशांत भूषण ने गुरुवार को कहा– मुझे पीड़ा है कि मुझे अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया गया है, जिसकी गरिमा मैंने एक दरबारी के रूप में नहीं, बल्कि ३० वर्षों से एक संरक्षक के रूप में बनाए रखने की कोशिश की है। उन्होंने आगे कहा– मैं सदमे में हूं और इस बात से निराश हूं कि अदालत इस मामले में मेरे इरादों का कोई सबूत दिए बिना इस निष्कर्ष पर पहुंची है। अदालत ने मुझे शिकायत की कपी नहीं दी। मेरे लिए यह विश्वास करना मुश्किल है कि अदालत ने पाया कि मेरे ट्विट ने संस्था की नींव को अस्थिर करने का प्रयास किया। प्रशांत भूषण ने कहा– मेरे ट्विट, जिन्हें अदालत की अवमानना का आधार माना गया, वो मेरी ड्यूटी हैं, और कुछ नहीं। उन्हें संस्थानों को बेहतर बनाए जाने के प्रयास के रूप में देखा जाना चाहिए। जो मैंने लिखा, वो मेरी निजी राय है, मेरा विश्वास और विचार हैं, और मुझे अपनी राय रखने का अधिकार है। भूषण ने आगे कहा– लोकतंत्र में खुली आलोचना जरूरी है। हम ऐसे समय में रह रहे हैं जब संवैधानिक सिद्धांतों को सहेजना व्यक्तिगत निश्चिंतता से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। प्रशांत भूषण ने कहा– बोलने में असफल होना अपने कर्तव्य का अपमान होगा। यह मेरे लिए बहुत ही बुरा होगा कि मैं अपनी प्रमाणिक टिप्पणी के लिए माफी मांगता रहूं। भूषण ने महात्मा गांधी के बयान का जिक्र करते हुए कहा– मैं दया की अपील नहीं करता हूं। मेरे प्रमाणिक बयान के लिए कोर्ट की ओर से जो भी सजा मिलेगी, वह मुझे मंजूर है।

अवैध गैस रिफिलिंग करते हुए पकडे गए

लखनऊ। लखनऊ पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार तथा कमिश्नरेट का सराहनीय कार्य डीसीपी रईस अख्तर एसीपी संजीव कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन पर प्रभारी निरीक्षक जीडी शुक्ला के कुशल नेतृत्व में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अवैध गैस रिफिलिंग कर रहे शातिर लोगों को पकड़ा कई थानों के अंतर्गत अवैध गैस रिफिलिंग मकड़जाल कर रहे १३ लोगों को पकड़ा। जिसमें मोहनलालगंज थाना सुशांत गोल्फ सिटी गोसाईगंज काकोरी पारा थाने के अंतर्गत लोगों को पकड़ा मोहन लालगंज से विजय यादव पुत्र सूरज पाल यादव दिलीप कुमार पुत्र राधेश्याम सिसेंडी कपूर चंद्र पुत्र किशोरी लाल गोसाईगंज से मोहम्मद इलियास पुत्र मोहम्मद रफीक अमेठी बाजार गोसाईगंज नीलू पुत्र राजेश कुमार गोल्फ सिटी से सरोज कुमार पुत्र राजकुमार नरेश कुमार सैनी पुत्र स्वर्गीय मंगली प्रसाद काकोरी हरिशंकर यादव पुत्र भैयालाल पप्पू रैदास पुत्र भूरेलाल भिखू रैदास पुत्र श्याम सुंदर पारा से नरेश कुमार पुत्र बालेष्ण चौरसिया देशराज पुत्र मंगलू प्रसाद अंकित पुत्र बैकुंठ नाथ गुप्ता जो कि बड़े पैमाने पर अवैध गैस रिफिलिंग का कार्य कर रहे थे।

सम्पादकीय

देश में बढ़ती आर्थिक महामारी

देश मे कोरोना के कारण देश में बढ़ती जा रही है आर्थिक महामारी। कोरोना वायरस के फैलते संक्रमण और मौतों की बढ़ती संख्या के बीच सामान्य ढंग से आर्थिक गतिविधियां शुरू होने की संभावना लगातार दूर होती जा रही है। लकडाउन जो हालात सामने हैं, उससे साफ है कि सख्त लॉकडाउन लागू करके महामारी को कंट्रोल कर लेने की भारत सरकार की रणनीति पूरी तरह नाकाम रही। यही बात अब ग्लोबल फोरकास्टिंग फर्म– यानी आर्थिक भविष्य का अनुमान लगाने वाली एजेंसी ऑक्सफॉर्ड इकॉनमिक्स ने कही है। इस एजेंसी ने लॉकडाउन के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था को दोबारा खोलने के अब तक के अनुभव को लेकर एक रिपोर्ट निकाली है। रिपोर्ट इंडिया– ए रिओपेनिंग गॉन वॉर्न्ग नाम से ये रिपोर्ट निकाली है। इसमें कहा गया है कि अर्थव्यवस्था को दोबारा चालू करने की भारत की सरकार की कोशिश गतिरुद्ध हो चुकी है। इसलिए हालत सुधरने में उससे ज्यादा वक्त लगेगा, जितनी पहले अपेक्षा की गई थी। ऑक्सफॉर्ड इकनमिक्स का अनुमान है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर में और गिरावट आएगी। ये रिपोर्ट आने के बाद भारत और एशिया मामलों की इस संस्था की प्रमुख अर्थशास्त्री प्रियंका किशोर का एक इंटरव्यू एक वेबसाइट पर छपा। उसमें उन्होंने दो टूक कहा कि भारत में आई मौजूदा आर्थिक तबाही जिस ढंग से सख्त लॉकडाउन लागू किया गया, उसका परिणाम है। प्रियंका किशोर की राय है कि सरकार ने अगर इतना सख्त लॉकडाउन लागू किया, तो उसे आम लोगों और उद्योग जगत को वित्तीय मदद देने की तैयारी रखनी चाहिए थी। लेकिन उसने पैकेज के रूप में मोटे तौर पर आसानी से कर्ज उपलब्ध ा कराने के एलान किए, जिससे फौरी राहत की जरूरत पूरी नहीं हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस वक्त महामारी आई, उसके पहले ही भारत की अर्थव्यवस्था संकट में घिर चुकी थी। उस वक्त भारतीय अर्थव्यवस्था बैलेंस शीट से जुड़े मुद्दों से जूझ रही थी। बाजार में मांग घटी हुई थी। लॉकडाउन ने तो कमर ही तोड़ दी। इस वक्त ये चर्चा जोरों पर है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी है और यह भारत की माली हालत को सुधार लेगी। लेकिन अन्य कई अर्थशास्त्रियों की तरह प्रियंका किशोर भी इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि भारत के जीडीपी में खेती और मछलीपालन जैसे धंधों का योगदान बहुत कम है। ५० से ५५ फीसदी योगदान सेवा क्षेत्र का है। १५ से १६ प्रतिशत योगदान मैनुफैक्चरिंग का है। ये क्षेत्र शहर केंद्रित हैं। फिलहाल, हालत यह है कि मायूसियों के बीच मजदूर एक से दूसरी फैक्टरियों में काम ढूंढ रहे हैं, लेकिन कहीं भी उनकी मुसीबत का हल नहीं मिल पा रहा है।

मानसून सत्र शुरू होने से पहले सपा विधायकों का प्रदर्शन

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रसार के बीच उत्तर प्रदेश में गुरुवार से विधानमंडल का मानसून सत्र आयोजित हो रहा है। विधान भवन में कार्यवाही शुरू होने से पहले ही समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा के बाहर जमकर हंगामा किया। हाथ में तख्ती के साथ यह सभी योगी आदित्यनाथ सरकार विरोधी नारेबाजी कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम के नेतृत्व में विधायक अपने गले में कानून व्यवस्था और कोरोना की आड़ में लूट–पाट जैसे स्लोगन की तख्ती डाले नजर आए। कुछ विधायक गेट नम्बर २ पर चढ़ते भी नजर आए। बाद में विधानसभा की गैलरी के बाहर सपा विधायकों ने एक साथ बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कोरोना को लेकर सरकार को विपक्ष घेरने की तैयारी में है। सबसे ज्यादा तख्ती में कोरोना संबधी स्लोगन ही तैयार किये गए थे। गुरुवार से शुरु हो रहा प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र छोटा होगा। कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के सभी इंतजाम के बीच चार दिन में १६ विधेयकों को मंजूर कराने की सरकार की तैयारी है। पहली बार सदन में कुछ लोग वर्चुअल ढंग से उपस्थित होंगे। ६५ वर्ष से अधिक उम्र के विधायकों को सत्र में वीडियो कांफ्रेंसिंग से जोड़ा जाएगा। सिर्फ ६५ साल से कम उम्र के विधायकों

को ही सदन में मास्क और ग्लव्स के साथ प्रवेश दिया जाएगा। कोरोना महामारी के दौरान संवैध ाानिक बाध्यता के कारण इस सत्र के लिए अनेक ऐसी व्यवस्थाएं करनी पड़ रही हैं, जो विधानसभा के इतिहास में पहली बार होंगी। मसलन दर्शक दीर्घा में भी विध ाायकों को बैठना पड़ेगा। लॉबी में बैठकर भी विधायक सदन की कार्यवाही का हिस्सा होंगे। विध ाानसभा अध्यक्ष ह्रदय नारायण दीक्षित ने बताया कि पहले दिन गुरुवार को सुबह ११ बजे सदन के चार दिवंगत सदस्यों वीरेंद्र सिंह सिरोही, पारसनाथ यादव, कमल रानी वरुण व चेतन चौहान के निधन पर शोक संवेदना के बाद कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। यह भी संयोग है कि एक साथ दो कैबिनेट मंत्रियों सहित चार सदस्यों के निधन पर शोक होगा। विधान परिषद की कार्यवाही भी शोक प्रस्ताव के बाद स्थगित कर दी जाएगी। अस्वस्थ, महिला व ६० वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्यों को बैठक में वर्चुअल शामिल होने की छूट मिलेगी। उन्हें भेजे गए ई–लिंक के जरिए उपस्थिति दर्ज मान ली जाएगी। गुरुवार सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले पूरे सदन को सैनिटाइज किया गया। परिषद के सदस्य और कार्मिक अपनी कोरोना जांच के सुबूत के तौर पर जांच की पर्ची लेकर पहुंचेंगे। विध ाान परिषद के दोनों गेट पर हैंड सैनिटाइजर और थर्मल स्कैनर लगाये गए हैं। पल्स अक्सीमीटर का भी इंतजाम किया गया है। सदन में सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग की व्यवस्था को देखते हुए एयर डक्टस में अल्ट्रावायलेट मशीनें लगायी गई हैं, जिनके विकिरण से वायरस का खात्मा किया जा सके।

इस साल १३६ के विरुद्ध रासुका की कार्रवाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए लोक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई के कदम बढ़ाने के कड़े निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि अपराधियों में भय पैदा होना चाहिए और लोगों में सुरक्षा का भाव। उन्होंने कहा है कि कहा कि अभियान चलाकर लोक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली घटनाओं के आरोपितों पर कड़ी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि महिलाओं व बालिकाओं के खिलाफ जघन्य अपराध वाले, गोकशी करने वाले और मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त अपराधी बचने न पाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक दिन पूर्व ही आपसी रंजिश व विवाद के मामलों में अभियान के तहत निरोधात्मक कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए थे। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। सभी डीएम व एसपी को निर्देश दिए हैं कि रासुका के तहत कार्रवाई के दायरे में आने वाला एक भी अपराधी बचना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियान चलाकर लोक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली घटनाओं के आरोपितों पर कड़ी विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि कानून–व्यवस्था को और सुढ़ बनाने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। इस वर्ष अब तक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत १३६ आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इनमें गोकशी के अंतर्गत ७६ आरोपितों के अलावा बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों में छह, गंभीर अपराधों में ३७ तथा अन्य अपराधों में शामिल रहे २० आरोपितों के विरुद्ध रासुका के तहत कार्रवाई हुई है।

मुलायम सिंह यादव की हालत में सुधार, अस्पताल से डिस्चार्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की तबीयत ठीक है। उन्हें मेदांता से डिस्चार्ज कर दिया गया है। वह

करीब दो सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश कपूर के मुताबिक, मुलायम सिंह यादव करीब छह अगस्त को भर्ती हुए थे। उनका अल्ट्रासाउंड , ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट आदि कराए गए। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री के यूरिनरी ट्रैक्ट में इंफेक्शन पाया गया। इसका अस्पताल में भर्ती कर इलाज चला। तबीयत ठीक होने पर बुध ावार शाम को डिस्चार्ज कर दिया गया है।केंद्र सरकार की ई–संजीवनी सेवा में यूपी दूसरे नंबर पर है। वहीं केजीएमयू टॉप पर है। योजना की नोडल अफीसर डॉ. शीतल वर्मा के ५० हजार से अधिक मरीज डिजिटल ओपीडी से देखे गए हैं। वहीं, सात हजार मरीज मनोरोग विभाग के रहे। वहीं योजना में तमिलनाडु नंबर एक पर है। कुलपति ले. जनरल डॉ. विपिन पुरी ने टीम को बधाई दी।

केजीएमयू के स्टाफ में संक्रमण का दायरा बढ़ा कुलपति हुए क्वारंटाइन ड्राइवर और कुक को हुआ कोरोना

लखनऊ। केजीएमयू के स्टाफ में संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ रहा है। डॉक्टर, नर्स कर्मी व उनके परिवार के सदस्य लगातार संक्रमण की जद में आ रहे हैं। अब कुलपति के ड्राइवर व कुक में वायरस की पुष्टिद हुई है। ऐसे में कुलपति क्वारंटाइन हो गए। तत्काल प्रभाव से सभी मीटिंग निरस्त कर दी गई हैं। केजीएमयू के कुलपति ले.जनरल डॉ. विपिन पुरी ने दस अगस्त को कार्यभार ग्रहण किया है। इस दौरान कैंपस में ही आवास पर रुक रहे थे। गुरुवार को उनके ड्राइवर व कुक में कोरोना की पुष्टि हुई है। इसके बाद कैंपस में हड़कंप मच गया। तत्काल सभी मीटिंग निरस्त कर दी गई हैं। वहीं खुद

को क्वारंटाइन कर लिया है। कुलपति ने सैंपल भेजे जाने की पुष्टि की है। वहीं कैंपस में दिन भर ट्रू नेट टेस्ट वीसी की रिपोर्ट पॉजिटिव होने की चर्चा रही। मगर, संस्थान के प्रवक्ता डॉ. सुधीर सहिं ने आरटीपीसीआर रिपोर्ट आने पर ही कंफर्म करने की बात कही है। वहीं दोनों कर्मियों में वायरस की पुष्टि की है। कुलपति कार्यालय के करीब १५ स्टाफ का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। वहीं अफसरों में भी बेचौनी बढ़ गई है। उनका भी स्वैब सैंपल संग्रह किया गया है। उधर, रजिस्ट्रार में वायरस की पुष्टि हो चुकी है। वह कई दिनों से आइसोलेशन में हैं। इस दौरान सभी मीटिंग निरस्त कर दी गई है।

130 साल में पहली बार जनगणना की परंपरा टूटने का खतरा

नई दिल्ली। कोरोना के कारण १३० साल में पहली बार जनगणना की परंपरा टूटने का खतरा खड़ा हो गया है। दो भागों में होने वाली जनगणना का पहला भाग घरों और मवेशियों की गिनती का काम ३० सितंबर तक पूरा होना था, लेकिन अभी इसकी कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। यदि कोरोना का कहर अगले साल जनवरी तक नहीं थमा तो फरवरी में होने वाली व्यक्तियों की गिनती का काम भी रुक सकता है।ध्यान देने की बात है कि भारत दुनिया के गिने–चुने देशों में है, जहां १८८१ से लगातार हर १० साल पर जनगणना होती रही है। यहां तक कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान भी १९४१ में इसे रोका नहीं गया था। आजादी के पहले फरवरी और मार्च के बीच कभी भी जनगणना होती रही थी, लेकिन आजादी के बाद १९५१ से इसे नौ फरवरी से २८ मार्च के बीच तय कर दिया गया। उसके बाद एक और तीन मार्च को दोबारा इस दौरान जन्मे नए बच्चों की गिनती की जाती रही है, ताकि उस साल एक मार्च को देश की असली जनसंख्या का पता चल सके। लेकिन कोरोना के कारण इस बार इसके टलने का खतरा बढ़ गया है।दरअसल भारत में जनगणना दो चरणों में होती है। पहले चरण में एक अप्रैल से ३० सितंबर के दौरान देश में सभी घरों और मवेशियों की गणना होती है। इस बार इसके साथ असम को छोड़कर देश के अन्य हिस्से में नेशनल पापुलेशन रजिस्टर (छच्द्द) को भी अपग्रेड किया जाना था। लेकिन कोरोना के कारण लगे पहले लकडाउन के साथ ही २५ मार्च को भारत के महापंजीयक

(रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया) ने जनगणना के पहले चरण और एनपीआर को अपग्रेड करने की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया। उस समय आरजीआइ को उम्मीद थी कि दो–तीन महीने में कोरोना का कहर थमने के बाद नवंबर के पहले कभी भी पहले चरण को पूरा कर लिया जाएगा। लेकिन हालात यह है कि कोरोना के मामले कम होने के बजाय दिन–प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। नवंबर से सर्दियों के मौसम में बर्फबारी के कारण देश के कई भागों का संपर्क कट जाने की स्थिति में अब यह काम इस साल संभव नहीं दिख रहा है। आरजीआइ के अधिकारियों का मानना है कि इस साल किसी भी स्थिति में जनगणना के पहले चरण को पूरा करना संभव नहीं होगा।लेकिन आरजीआई ने अभी तक जनगणना के दूसरे चरण, जिसमें देश में रहने वाले लोगों की गिनती की जाती है, को स्थगित नहीं किया गया है। आरजीआइ अब इस संभावना को तलाशने में जुटी हुई है कि पहले चरण के बिना ही दूसरे चरण यानी लोगों की गिनती का काम पूरा कर लिया जाए। लेकिन नौ फरवरी से २८ फरवरी तक होने वाली जनगणना के लिए भी जनगणनाकर्मियों की पहचान और उन्हें प्रशिक्षित करने का काम करना होगा, ताकि वे सही तरीके से सटीक डाटा जुटा सकें। इसमें दो से तीन महीने का समय लग सकता है।फिलहाल कोरोना को रोकने के लिए एक मात्र विकल्प के रूप में इसके वैक्सीन को देखा जा रहा है। लेकिन अक्टूबर–नवंबर के पहले किसी वैक्सीन के बाजार में आने की उम्मीद नहीं दिख रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैक्सीन के बाजार में आने के बाद भी सभी लोगों तक उसके पहुंचने में लंबा समय लग सकता है। ऐसे में अगले साल फरवरी में भी पूरे देश में जनगणना की उम्मीद नहीं जा सकती है।

नया उत्तर प्रदेश है, अराजकता बर्दाश्त नहीं करेगा : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संपत्ति क्षति दावा अधिकरण के गठन का हवाला देते हुये दंगाइयों और उपद्रवियों को चेतावनी दी है कि अब राज्य में अराजकता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी और शरारती तत्वों से सरकार कड़ाई से निपटेगी। योगी ने बुधवार को संस्कृत के श्लोक के साथ ट्वीट किया अदण्डः शास्ति प्रजाः सर्वा दण्ड एवाभिरक्षति। दण्डः सुप्तेषु जागर्ति दण्डं धर्म विदुर्बुधाः।। उन्होने कहा उप्र लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली नियमावली २०२० के अनुसार लखनऊ व मेरठ में शीघ्र ही संपत्ति क्षति दावा अधिकरण गठित किया जाएगा। नया उत्तर प्रदेश है, उपद्रवियों से सख्ती से पेश आएगा। उत्तर प्रदेश को अराजकता स्वीकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने लिखा "सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाले दंगाइयों और उपद्रवियों से वसूली सुनिश्चित की जाएगी। सतर्क उत्तर प्रदेश, सुरक्षित उत्तर प्रदेश। गौरतलब है कि हिंसात्मक प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले शरारती तत्वों पर नकेल कसने के प्रयासों के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को लखनऊ एवं मेरठ में सम्पत्ति क्षति दावा अधिकरण का गठन किए जाने की स्वीकृति प्रदान की थी। लखनऊ मंडल के दावा अधिकरण के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत झांसी, कानपुर, चित्रकूट धाम, लखनऊ, अयोध्या, देवीपाटन, प्रयागराज, आजमगढ़, वाराणसी, गोरखपुर, बस्ती और विंध्याचल धाम मंडल की दावा याचिकायें स्वीकार की जायेंगी वहीं मेरठ मंडल दावा अधिकरण के कार्यक्षेत्र के तहत सहारनपुर, मेरठ, अलीगढ, मुरादाबाद,बरेली और

आगरा मंडल की दावा याचिकायें मंजूर किये जाने का प्राविधान किया गया है। अधिकरण के अस्तित्व में आने के बाद प्रदेश में विरोध प्रदर्शन के दौरान होने वाली हिंसा में यदि सार्वजनिक अथवा निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जाता है तो उसकी क्षतिपूर्ति वसूलने के लिए दावा अधिकरणों में किया जा सकेगा। दावा अधिकरण को सिविल न्यायालय की सभी शक्तियां हासिल होंगी और वह उसी रूप में काम करेगा। उन्होने बताया कि जिस किसी की संपत्ति को आंदोलन या विरोध प्रदर्शन के दौरान नुकसान पहुंचा है, उसे घटना के महीने के भीतर अधिकरण के समक्ष आवेदन पेश करना होगा।

अपराध नियंत्रण में उत्तर प्रदेश देश में अव्वल : योगी सरकार

लखनऊ। कानून व्यवस्था के मामले में विपक्ष के निशाने पर रही उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के हवाले से दावा किया है कि अपराध नियंत्रण के मामले में सूबा अन्य राज्यों की तुलना में अव्वल रहा है। पिछले तीन सालों के दौरान न सिर्फ अपराध में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गयी है बल्कि अपराधी तत्वों पर प्रभावी नकेल कसी जा सकी है। गृह विभाग के प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि कानून–व्यवस्था तथा अपराध नियंत्रण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अपराध और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का ही यह नतीजा है कि प्रदेश में अपराध न्यूनतम स्तर पर है। राज्य सरकार के कार्यकाल में अपराधों में गिरावट का सिलसिला निरन्तर जारी है। उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में घटित अपराधों के तुलनात्मक आकड़ों के अनुसार मौजूदा सरकार के कार्यकाल में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। डकैती के मामलों में २०१६ के सापेक्ष २०२० में ७४.५० तथा २०१२ के सापेक्ष ७४.६७ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। लूट के मामलों में २०१६ के सापेक्ष २०२० में ६५.२६ प्रतिशत तथा २०१२ के सापेक्ष ५४.२५ प्रतिशत की गिरावट आयी है। हत्या के मामलों में २०१६ की तुलना में इस साल २६.४३ तथा २०१२ के सापेक्ष २६.७४ प्रतिशत की कमी आयी। फिरौती के लिए अपराध के मामलों में वर्ष २०१६ के सापेक्ष २०२० में ५४.५५ तथा २०१२ के सापेक्ष ६४.२६ प्रतिशत की कमी आयी। रोड होल्ड अप के मामलों यह गिरावट १०० प्रतिशत रही। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में वर्ष २०१७ से लेकर वर्ष २०२० तक रोड होल्ड अप की एक भी वारदात नहीं हुई है। बलात्कार के प्रकरण में २०१३ के सापेक्ष २०२० में २५.६४ प्रतिशत, २०१६ के सापेक्ष ३८.७४ प्रतिशत तथा वर्ष २०१६ के सापेक्ष २८.१३ प्रतिशत की कमी आयी है।

डीसीपी ने कोतवाली में एसीपी कोर्ट का किया उद्घाटन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज कोतवाली में बुधवार को एसीपी कोर्ट का उद्घाटन डीसीपी रईस अख्तर के हाथों से हुआ। लखनऊ में कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद से नई पुलिस प्रणाली लागू हुई जिसमें उपजिला अधिकारी को दिए गए मजिस्ट्रेटी पावर में कटौती करते हुए कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले थानो में एसीपी कोर्ट की स्थापना करने का प्रावधान किया गया था इस कोर्ट में छोटे–मोटे अपराधों की निगरानी व पुलिस संबंधित मामलों को एसीपी कोर्ट सुनेंगी। कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के बाद से अभी तक वादो की सुनवाई जेसीपी कार्यालय लखनऊ मे अस्थाई रूप से चलाई जा रही थी जिसे दूरदराज से जाने वाले फरवादियों को काफी कठिनाइयों का

सामना करना पड़ रहा था । बुधवार को डीसीपी दक्षिणी रईस अख्तर ने मोहनलालगंज एसीपी कार्यालय में बनाई गई स्थाई कोर्ट का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया अब

गणित की जटिल समस्याओं का इन्टरनेट से हल दे रहे अध्यापक

लखीमपुर–खीरी। कोरोना महामारी के चलते जहां एक ओर स्कूल कॉलेज आदि शिक्षण संस्थानों पर ताला लटक रहा है, वहीं इस संकट काल के दौरान इण्टरनेट का बखूबी सदुपयोग भी देखने को मिल रहा है। व्हाट्स ऐप, फेसबुक और खासकर यू–ट्यूब के जरिये शिक्षण का कार्य निःशुल्क किया जा रहा है, जिसने इस महामारी के दौरान एक नई क्रांति को जन्म दिया है। कोरोना संकटकाल के दौरान बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने के लिये कई युवा आगे आए हैं और उन्हे निःशुल्क शिक्षा देकर उनके भविष्य को संवारने की बखूबी कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में शहर के मोहल्ला शास्त्रीनगर निवासी अभय अपने यू–टयूब चौनल अभय मैथ्स के जरिये अनोखे अंदाज मे गणित की जटिल समस्याओं को स्टेप बाई स्टेप आसान तरीके से समझाकर उन्हे इस विषय के प्रति प्रोत्साहित कर रहे हैं। गणित के प्रति छात्र छात्राओं के मन मे भरा हुआ डर दूर करने का उनका यह प्रयास क्षेत्र मे चर्चा का विषय बना हुआ है।

खाद न मिल पाने से किसानों मे गुस्सा

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में इन दिनों यूरिया खाद कि किल्लत भारी मात्रा में देखने को मिल रही हैं जिससे क्षेत्र के किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है खरीफ की फसलों में विशेष रूप से धान में खाद डालने के लिए किसान सहकारी समितियों सरकारी दुकानों के लगातार चक्कर लगा रहा है पर खाद वहां से छू मंतर है किसान अपनी बेबशी पर एक बार फिर आसूं बहाने को मजबूर हैं वहीं दूसरी तरफ खाद की कालाबाजारी जोरों से हो रही है २७७ रूपये में मिलने वाली खाद की बोरी किसान अब बिचौलियों से४०० रुपये में लेने को मजबूर है।जिसको लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी रोष है वहीं दूसरी ओर खाद की कमी व काला बाजारी को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों में भी रोष व्याप्त हो रहा है स्थानीय किसान दल्लू सिंह भारतीय किसान मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार सिंह रतीपाल कनौजिया रमाशंकर सिंह आदि लोगों ने सरकार से किसानों को तत्काल खाद उपलब्ध करने के साथ कालाबाजारी रोकने मांग की तथा चेतवानी की अगर तत्काल सरकार इस मामले में कार्रवाई नहीं करती तो जल्द ही बड़ी संख्या में किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे

खाद की कालाबाजारी करने वालों पर लगाएं रासुका : सीएम योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण पर नियंत्रण को लेकर चल रही कसरत के बीच ही अचानक खाद का मुद्दा भी उछल गया है। कांग्रेस ने यूरिया की किल्लत के आरोप लगाकर आंदोलन का एलान कर दिया है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कर दिया है कि किसानों को सुगमता से खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। यदि कोई कालाबाजारी करेगा तो उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर बुधवार को आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में कोरोना संक्रमण के साथ ही खाद वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। कांग्रेस द्वारा खाद की किल्लत का आरोप लगाए जाने के बाद ंषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने आंकड़ों सहित स्थिति स्पष्ट करने के साथ ही सही तरीके से खाद वितरण की औचक पुष्टि की बात कही है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को खाद और अन्य कृषि सामग्री सुगमतापूर्वक उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार द्वारा इस संबंध में अनेक कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खाद की कालाबाजारी कर किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वाले तत्वों के विरुद्ध राज्य सरकार सख्ती से पेश आएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे लोगों के खिलाफ एनएसए के तहत भी कार्रवाई पर विचार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा योगी ने प्रधानमंत्री के विशेष आर्थिक पैकेज से स्ट्रीट वेंडरों को लाभान्वित करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने के लिए कहा है। इसके लिए जल्द कार्ययोजना तैयार की जाएगी। कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण और इलाज के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार सभी कोविड मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा सभी जिलों को कोविड–१६ के

उपचार की व्यवस्थाओं के लिए तीन से पांच करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए गए हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों को अपने–अपने जिले में इस धनराशि से कोरोना के उपचार की जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी मेडिकल कलेज अपने बजट से कोविड–१६ के उपचार संबंधी दवा और अन्य आवश्यक सामग्री खरीदें। मेडिकल कॉलेज को उपलब्ध कराई गई धनराशि का पूरा उपयोग मरीजों के बेहतर इलाज पर किया जाए। इसमें यदि उदासीनता बरती गई तो संबंधित प्राचार्य की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी दशा में दवा के अभाव में मरीज का इलाज प्रभावित नहीं होना चाहिए। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव आरके तिवारी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन, कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, पुलिस महानिदेशक हितेश चंद्र अवस्थी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोटेदार द्वारा ग्रामीणों को राशन न देने की मिल रही धमकियां

मोहनलालगंज लखनऊ। दर्जनों ग्रामीण एवं क्षेत्र पंचायत सहित प्रधान ने कोटेदार पर राशन न देने का आरोप लगाते हुए उप जिलाधिकारी से किया शिकायत राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील में आने वाली ग्रामसभा नटौली के कोटेदार के द्वारा ग्रामीणों को राशन न देने की मिल रही धमकियां आरोप है कि कोटेदार राशन कम देता है। दर्जनों ग्रामीणों ने कोटेदार पर आरोप लगाते हुए बताया कि अंगूठा लगवाने के बाद भी राशन नहीं दिया जाता है बहुत कहने पर राशन देते भी हैं तो २ से ३ किलो कम दिया जाता है मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र में आने वाले नंटौली कोटेदार धर्म सिंह की दबंगई प्रकाश में आ रही है । दर्जनों ग्रामीण एवं क्षेत्र पंचायत सहित वर्तमान प्रधान ने राशन न देने का आरोप एवं कम देने का आरोप लगाते हुए उप जिलाधिकारी मोहनलालगंज से शिकायत की है। प्रधान प्रतिनिधि सहित ग्रामीणों ने बताया कि शिकायत बीते १० अगस्त को किया गया था जिस पर १ सप्ताह बाद पहुंची जांच टीम ने कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन दिया है। हालांकि ग्रामीणों में आशंका व्याप्त है कि उच्च अधिकारियों की भी मिलीभगत है जिसके चलते दबंग कोटेदार पर कार्यवाही नहीं होती है आरोप है कि कोटेदार पर तीन चार अपराधिक मामले भी दर्ज हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उच्चाधिकारियों से ले देकर मामला सुलट जाता है।इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार की मंसूबों पर पलीता लगाया जा रहा है ।

पुलिस के हाथ लगा गैंगस्टर एक्ट का आरोपी

लखनऊ। पीजीआई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को एक बदमाश को गिरफ्तार किया है । इंस्पेक्टर पीजीआई कण्व कुमार मिश्रा ने बताया कि बुधवार को पीजीआई इलाके से बरौली खलीलाबाद निवासी संतोष कुमार को गिरफ्तार किया गया है। संतोष का एक संगठित गिरोह है जिसका गैंग लीडर राम सिंह है इस गैंग का पीजीआई इलाके में जमीन पर अवैध कब्जा ,धोखाधड़ी के मामलों में आम जनमानस में आतंक व्याप्त है।

आजमगढ़ सर्किट हाउस में लल्लू समेत कई कांग्रेसी नजरबंद

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में मारे गये ग्राम प्रधान के परिजनों से मिलने जा रहे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और राज्यसभा सांसद पीएल पुनिया समेत अन्य नेताओं को पुलिस ने सर्किट हाउस से बाहर नहीं निकलने दिया जिससे आक्रोशित कांग्रेसियों एवं महाराष्ट्र के कबीना मंत्री नितिन राउत वाराणसी के रास्ते आजमगढ के लिये रवाना हुये लेकिन पुलिस बल ने उन्हे आजमगढ़ गौरा बादशाहपुर बर्डर पर रोक लिया। उनके साथ पूर्व विधायक भगवती प्रसाद, राष्ट्रीय प्रभारी प्रदीप नरवाल सड़क पर धरने पर बैठ गये और

ने सर्किट हाउस में धरना प्रदर्शन किया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि तरवां क्षेत्र के बांस गांव के दलित प्रधान सत्यमेव जयते उर्फ पप्पू राम की पिछले दिनो हत्या कर दी गयी थी जिनके परिजनो से मिलने लल्लू और पुनिया के अलावा पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी, पूर्व मंत्री आरके चौधरी और अनुसूचित जाति विभाग अध्यक्ष आलोक प्रसाद पासवान आज आजमगढ के सर्किट हाउस पहुंचे थे जहां से उनका दलित प्रधान के घर जाने का कार्यक्रम था लेकिन पुलिस बल ने उन्हे सर्किट हाउस से बाहर नहीं निकलने दिया। इस बीच दलित कांग्रेस के अध्यक्ष सरकार विरोधी नारेबाजी करने लगे। गौरतलब है कि बांस गांव के ग्राम प्रधान की हत्या के बाद ग्रामीणों ने जमकर बवाल काटा था कि इस बीच एक बालक की एक वाहन से कुचलकर मौत हो गई थी। हिंसा में जमकर तोड़फोड़ और आगजनी की गयी थी। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल इसी सिलसिले में पीडित परिजनों को सांत्वना देने के लिये यहां आया था। प्रतिनिधिमंडल के ठहरने के लिये सर्किट हाउस बुक कराया गया था जहां कांग्रेसी नेताओं के पहुंचने के बाद पुलिस बल ने घेराबंदी कर दी और उन्हे बाहर नहीं निकलने दिया।

विपक्ष सदन की कार्यवाही में करें सहयोग : सीएम योगी

अद्भुत समाचार नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के नेताओं से विधानमंडल की कार्यवाही में सहयोग करने का आग्रह किया। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के नियमों का सख्ती से पालन करने और वेल में न आने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपने मुद्दों को संवैधानिक दायरे में उठाने और लिखकर देने पर भी जोर दे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ह्रदय नारायण दीक्षित ने भी सहयोग और कोविड–१६ जांच कराने की अपेक्षा की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानभवन में आयोजित सर्व दलीय बैठक में कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से समूचा विश्व त्रस्त है। इस विषम परिस्थिति में गुरुवार को शुरू होने वाले विधानमंडल के मानसून सत्र में सदन की कार्यवाही व्यवस्थित ढंग से चलाने में सबका सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक बाध्यता के कारण छह माह के भीतर विधानसभा की कार्यवाही के लिए सदन बैठना है। त्रासदी काल में होने वाली इस बैठक पर अन्य राज्यों की निगाहें भी लगी है। अगर सत्र में कोराना पर सार्थक चर्चा होगी तो देश और दुनिया में एक संदेश जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुझाव दिया कि सत्र में आरोप प्रत्यारोप से बचकर विपरित हालात से निपटने को अच्छे सुझाव की अपेक्षा रहेगी। सदन की मर्यादा का सभी दलों को पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इस महामारी का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है। जब तक वैक्सीन नहीं आ जाती है तब तक बचाव ही एकमात्र उपचार है। संक्रमण से बचाव के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं।विधानसभा अध्यक्ष ह्रदयनारायण दीक्षित ने कहा कि इस महामारी में अन्य किसी प्रदेश में सत्र को आहूत करने का कोई उदाहरण नहीं है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में जो उपाय किए जाएंगे वो अन्य राज्यों के लिए प्रेरक होंगे। महामारी से बचाव के लिए पर्याप्त कोशिश की जा रही है। ६० वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्यों या किसी असमर्थता से ग्रस्त महिला सदस्य अथवा स्वास्थ्य कारणों से सदन में उपस्थित नहीं हो पाने सदस्य यदि लिखित या टेलीफोन पर सूचना देंगे तो उनकी अनुपस्थिति को समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने महामारी से बचने व सदन

को व्यवस्थित तरीके से चलाने में सहयोग की अपेक्षा की।बैठक में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी के स्थान पर नरेंद्र सिंह वर्मा, बसपा के दलनेता लालजी वर्मा, कांग्रेस दलनेता आराधना मिश्रा मोना, अपना दल सोनेलाल के नीलरतन पटेल व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर ने सहयोग का आश्वासन देते हुए विपक्ष को मौका देने की बात कही। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने भी सदन को शांतिपूर्ण ढंग से चलाने में सहयोग का आग्रह किया।

पीएम मोदी ने डेढ़ घंटे के भाषण में किए १० बड़े एलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ७४ वें स्वतंत्रता दिवस पर आज लाल किले की प्राचीर से १० बड़े एलान किए। हर भारतीय को हेल्थ कार्ड देने वाली नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन जैसी बड़ी योजना के तत्काल प्रभाव से शुरू होने की उन्होंने घोषणा की। देश में नई साइबर सुरक्षा नीति लाने की बात भी प्रधानमंत्री मोदी ने देश को बताई। प्रधानमंत्री ने बहुप्रतीक्षित कोरोना वैक्सीन पर चर्चा करते हुए कहा कि एक नहीं तीन–तीन वैक्सीनों पर काम चल रहा है। लाल किले की प्राचीर से सुबह साढ़े सात से नौ बजे तक करीब डेढ़ घंटे लंबे भाषण के दौरान जानिए प्रधानमंत्री मोदी ने कौन से दस प्रमुख ऐलान किए। १– नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहला बड़ा एलान नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन को लेकर किया। उन्होंने कहा कि आज से देश में एक और बहुत बड़ा अभियान शुरू होने जा रहा है। ये है नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन। हर भारतीय को एक हेल्थ कार्ड मिलेगा। आपके हर टेस्ट, हर बीमारी, आपको किस डॉक्टर ने कौन सी दवा दी, कब दी, आपकी रिपोर्ट्स क्या थीं, ये सारी जानकारी इसी एक हेल्थ कार्ड में समाहित होगी। भारत के हेल्थ सेक्टर में यह योजना नई क्रांति लेकर आएगी। २– नई साइबर सिक्योरिटी नीतिः प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में नई राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति का मसौदा तैयार कर लिया गया है। भारत इस संदर्भ में सचेत है, सतर्क है और इन खतरों का सामना करने के लिए फैसले ले रहा है और नई–नई व्यवस्थाएं भी लगातार विकसित कर रहा है। आने वाले समय में नई साइबर सिक्योरिटी नीति लाई जाएगी। ३– कोरोना वैक्सीन : प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश को बताया कि आज भारत में कोराना की एक नहीं, दो नहीं, तीन–तीन वैक्सीन्स इस समय टेस्टिंग के चरण में हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही वैज्ञानिकों से हरी झंडी मिलेगी, देश में उन वैक्सीन्स की बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन की भी तैयारी है। ४– एनसीसी का विस्तार : प्रधानमंत्री मोदी ने नेशनल कैडेड कोर(एनसीसी) के विस्तार का एलान किया। उन्होंने देश को बताया कि अब एनसीसी का विस्तार देश के १७३ सीमाओं और तटीय जिलों तक सुनिश्चित किया जाएगा। इस अभियान के तहत करीब १ लाख नए एनसीसी कैडेट्स को विशेष ट्रेनिंग दी

जाएगी। इसमें भी करीब एक तिहाई बेटियों को ये स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी। ५– लक्षद्वीप की इंटरनेट कनेक्टिविटी : प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि अगले १००० दिन में, लक्षद्वीप को भी सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर केबल से जोड़ दिया जाएगा। उन्होने कहाए कि हमारे देश में १३०० से ज्यादा आइलैंड्स हैं। इनमें से कुछ चुनिंदा आइलैंड्स को, उनकी भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, देश के विकास में उनके महत्व को ध्यान में रखते हुए, नई विकास योजनाएं शुरू करने पर काम चल रहा है। ६– हर गांव में अप्टिकल फाइबर का जाल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंटरनेट सुविधा पहुंचाने के लिए देश के हर गांव को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ने का एलान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले एक हजार दिन में इस लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। साल २०१४ से पहले देश की सिर्फ ५ दर्जन पंचायतें ऑप्टिल फाइबर से जुड़ी थीं। बीते पांच साल में देश में डेढ़ लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया है। ७– प्रोजेक्ट लॉयन और डॉल्फिन : प्रधानमंत्री मोदी ने प्रोजेक्ट लॉयन और डॉल्फिन का एलान किया। उन्होंने कहा कि अपनी बायोडायवर्सिटी के संरक्षण और संवर्धन के लिए भारत पूरी तरह संवेदनशील है। बीते कुछ समय में देश में शेरों की, टाइगर की आबादी तेज गति से बढ़ी है। अब देश में हमारे एशियाई शेरों के लिए एक प्रोजेक्ट लॉयन की भी शुरूआत होने जा रही है। वहीं डॉल्फिन के संरक्षण के लिए भी प्रोजेक्ट चलाने पर जोर दिए। ८– १०० लाख करोड़ का खर्च : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरे देश को मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर से जोड़ने की एक बहुत बड़ी योजना तैयार की गई है। इस पर देश १०० लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अलग–अलग सेक्टर्स के लगभग ७ हजार प्रोजेक्ट्स को चिन्हित भी किया जा चुका है। ये एक तरह से इंफ्रास्ट्रक्चर में एक नई क्रांति की तरह होगा। ९– नेबरहुड पॉलिसी के विस्तार पर जोर रू प्रधानमंत्री मोदी ने पड़ोसियों के साथ रिश्तों की मजबूती और उसके विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पड़ोसी देशों के साथए चाहे वो हमसे जमीन से जुड़े हों या समंदर से, अपने संबंधों को हम सुरक्षा, विकास और विश्वास की साझेदारी के साथ जोड़ रहे हैं। आज पड़ोसी सिर्फ वो ही नहीं हैं जिनसे हमारी भौगोलिक सीमाएं मिलती हैं, बल्कि वे भी हैं जिनसे हमारे दिल मिलते हैं। जहां रिश्तों में समरसता होती हैए मेल जोल रहता है। १०– प्रदूषण के खिलाफ अभियान : प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शहरों से प्रदूषण खत्म करने की योजना की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश के १०० चुने हुये शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण के साथ एक विशेष अभियान पर भी काम हो रहा है।

प्रणब मुखर्जी के स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के स्वास्थ्य में हल्का सुधार हो रहा है। आर्मी रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल ने आज यह जानकारी

दी। इससे पहले फेफड़े में संक्रमण की वजह से उनकी हालत बिगड़ने लगी थी। वह बीते १० दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं और ब्रेन सर्जरी के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा, प्रणब मुखर्जी के श्वास पैरामीटर में सुधार हो रहा है, हालांकि वह लगातार वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। अधिकारियों ने यह भी कहा कि उनके महत्वपूर्ण और क्लिनिकल पैरामीटर स्थिर बने हुए हैं और विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा करीब से उसका अवलोकन किया जा रहा है। बुधवार को, अधिकारियों ने कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति की तबीयत बिगड़ रही है। प्रणब मुखर्जी को १० अगस्त को ब्रेन क्लट की आपात सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, हालांकि जांच में वह कोविड–१९ से संक्रमित पाए गए थे।

प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर रोक

लखनऊ। प्रदेश में अगले १५ दिनों तक स्मार्ट मीटर लगाने पर पाबंदी लगा दी गई है। पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक एम. देवराज ने गुरुवार को ईईएसएल के कार्यपालक उपाध्यक्ष को पत्र लिखा है। प्रदेश में करीब ४० लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। अभी तक लखनऊ, बनारस, मेरठ सहित प्रदेशभर में लगभग १२ लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। गौरतलब है कि जन्माष्टमी के दिन यानि १२ अगस्त को बिजली बिल जमा होने के बावजूद अचानक लाखों कनेक्शन कट गये थे। लखनऊ में भी करीब एक लाख कनेक्शन कट गये थे, जिसमें कई मंत्रियों और विधायकों के घर भी शामिल थे। मामला गंभीर होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रकरण की जांच एसटीएफ से कराने का आदेश दिया। वहीं निमायक आयोग ने भी यूपीपीसीएल से जवाब मांगा है। ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा ने पावर करपोरेशन के अध्यक्ष अरविंद कुमार को निर्देश दिया है कि भविष्य में प्रदेश में सिर्फ उच्च व अत्याधुनिक तकनीक के स्मार्ट मीटर लगाए जाएं। जिससे किसी प्रकार की छेड़छाड़ न की जा सके। बिजली विभाग की ओर से पूरानी तकनीक आधारित स्मार्ट मीटर २जी और ३जी लगाने पर लगी रोक से उपभोक्ता परिषद को कुछ राहत मिली है। उपभोक्ता परिषद ने कहा एक बार फिर उपभोक्ताओ की जीत हुई है और इसके लिए प्रदेश के उपभोक्ता ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा जी का आभारी हैं। पूरे प्रदेश में खरीदे जा रहे लगभग ४० लाख स्मार्ट मीटर जिसकी कुल प्रोजेक्ट लागत लगभग १६२७ करोड़ है। जिसका विरोध उपभोक्ता परिषद कर रहा था। उपभोक्ता परिषद का कहना था कि २जी व ३जी आधारित मीटर उपभोक्ताओं को देने का क्या मतलब है जब ४ जी जमाना चल रहा है। बता दें कि दो दिन पूर्व प्रदेश के उपभोक्ताओं की पीड़ा को लेकर उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा से मुलाकात कर पुरानी टेक्नोलाजी २ जी और ३ जी पर आधारित स्मार्ट मीटरों को लगाने पर पूर्णतया रोक लगाने की मांग करते हुए केवल उच्च अत्याधुनिक तकनीकी के स्मार्ट मीटर लगाने की मांग की गयी थी।

भगवान राम केवल भाजपा के नहीं हैं : अखिलेश

इटावा (उत्तर प्रदेश)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भगवान राम सभी के हैं, वे केवल भारतीय जनता पार्टी के नहीं हैं। मंगलवार को अपने पैतृक गांव सैफई में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि "भगवान राम सभी के हैं, भगवान कृष्ण सभी के हैं। भगवान राम और भगवान कृष्ण भगवान विष्णु के अवतार थे, जो सभी के हैं। उन्होंने आगे कहा, हम सभी नवरात्रि उत्सव के दौरान देवियों की पूजा करते हैं, उनका आशीर्वाद लेते हैं। अब मुझे बताएं कि क्या ये देवियां भी भाजपा की हैं? समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने लखीमपुर खीरी की घटना को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला किया। यहां एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म कर उसकी बेरहमी से उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा, "भाजपा केवल भगवान राम के नाम पर

राजनीति कर रही है और राज्य में कानून–व्यवस्था की स्थिति की सबसे कम परवाह कर रही है। राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध अपने चरम पर है। लखीमपुर खीरी में दुष्कर्म के बाद एक किशोर लड़की की निर्मम हत्या कर दी गई। उन्होंने सवाल उठाया, "भाजपा सरकार बलात्कार, अपहरण और हत्याओं के मामलों में आरोपियों को क्यों बचा रही है? अलीगढ़ में एक पुलिस कर्मी द्वारा कथित तौर पर भाजपा विधायक राजकुमार सहयोगी के साथ मारपीट की घटना को लेकर यादव ने कहा, "उनके (भाजपा) विधायक और पुलिस 'ठोक दो' सिद्धांत में विश्वास करते हैं। लेकिन वे खुद अब भ्रमित होने लगते हैं। उन्हें यही नहीं पता कि किसे ठोकना है और किसे नहीं। अब जब उनके मुख्यमंत्री विधानसभा में कहेंगे कि 'ठोक दो', तो ऐसी ही चीजें होंगी। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी विकास और प्रगति के नाम पर वोट मांगती रहेगी।

यूरिया की कालाबाजारी रोके योगी सरकार : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि राज्य में यूरिया की कालाबाजारी होने से किसान बहुत परेशान है इसलिए योगी सरकार को तत्काल हस्तक्षेप कर इस संकट का समाधान निकलना चाहिए। वाड्रा ने कहा, उप्र में कई जगहों पर यूरिया की किल्लत के चलते किसान परेशान हैं। जगह–जगह लाइनें लगी हैं और लेकिन अधिकतर सहकारी समितियों पर यूरिया समाप्त हो चुकी है। किसान कालाबाजारी से परेशान है। यूपी सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर यूरिया की किल्लत की समस्या का समाधान करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने

एक समाचार चौनल से लोगों की बातचीत का वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें किसान यूरिया नहीं मिलने से हो रही परेशानी की जानकारी दे रहे हैं।

अद्भुत फूल : दुनिया का सबसे बड़ा फूल

अमरेन्द्र सहाय अमर

विश्व के इस सबसे बड़े और भारी फूल का नाम रेफलिसिया है. इसका व्यास साढ़े तीन फुट और वजन बारह किलो होता है. इस पौधे की जो सबसे छोटी प्रजाति पाई जाती तक इसमें फूल आते हैं यह फूल केसिरया आसमानी और सफेद रंग का होता है. नर और मादा फूलों की संरचना लगभग एक जैसी ही होती है. पूरा फूल दल चक्रों के पांच खंडों में होता है. दल चक्र के फूल से किसी भी प्रकार की सुगंध नहीं आती जबकि सड़े हुए मांस की तरह बदबू आती है जिसके कारण कुछ विशेष प्रकार के जीव और कीड़े इसकी ओर आकर्षित होते हैं. यह फूल धीरे से ४ दिनों में इसकी पंखुड़िया भी खुल जाती है इस पौधे में केवल फूल ही जमीन की ऊपरी सतह पर होता है बाकी सब कुछ जमीन के निचली सतह पर. इस की खोज सबसे पहले इंडोनेशिया के वर्षा सुमात्रा और फिलीपींस में भी पाया जाता है. इसका जन्म किसी संक्रमित पेड़ की जड़ से होता है. पहले एक गाँठ सी बनती है और जब यह बड़ी होकर एक बंदगोभी के आकार की हो जाती है तब चार दिनों के

है उस फूल का व्यास २० सेंटीमीटर तक का होता है. रेफलिसिया एक पौधा परजीवी है जो अपना भोजन दूसरे पौधों से प्राप्त. करता है. इसका तना सफेद रंग का होता है, जो भूमि की ऊपरी सतह पर कुछ दूर जाकर फूल का रूप धारण करता है. इस फूल में पत्तियां नहीं होती. यह फूल अक्तूबर में खिलना शुरू होता है और मार्च बीच में प्यालीनुमा पुष्पनाल होती है जो आधार पर अंडाशय से जुड़ी होती है. नर फूल में पुष्पमाल एक ठोस रचना होती है जिसके ऊपरी सिरे पर एक चौड़ी कोर प्लेट होती है. प्लेट के किनारे पर परागकोष होते हैं. इस प्रजाति के जितने भी फूल होते हैं अगर आप उन्हें छूएंगे तो ऐसा लगता है जैसे आप किसी मांस के टुकड़े को छू रहे हो. इस मलेशिया और इंडोनेशिया में भी पाए जाते हैं इसे सबसे पहले इंडोनेशिया के वर्षा वन में खोजा गया था अब तक इसकी २६ प्रजातियों का पता लगाया जा चुका है. इस पौधे की शुरुआत किसी संक्रमित पेड़ की जड़ से होती है, जिसमें सबसे पहले एक गांठ सी बनती है जो धीरे–धीरे बड़ी होकर बंद गोभी के जैसी हो जाती है. वनों में हुई थी, जब सर्वप्रथम डाक्टर जोसेफ अर्नाल्ड के एक स्थानीय गाइड ने इसे देखा. इसका नामकरण उसी खोजी दल के नेता सर थमस स्टैमफोर्ड रेफ्लस के नाम पर हुआ. अब तक इसकी २६ प्रजातियां खोजी जा चुकी है. जिनमें से ४ का नामकरण स्पष्ट रूप से नहीं हुआ है. इंडोनेशिया और मलेशिया के अतिरिक्त यह पौधा अंदर इसकी पंखुड़ियाँ खुल जाती हैं और पूरा फूल आकार ले लेता है. इस पौधे में केवल फूल ही एक ऐसा भाग है जो जमीन के ऊपर रहता है शेष सब भाग कवक जाल की भांति पतले–पतले होते हैं और जमीन के अन्दर ही धागों के रूप में फैले रहते हैं. यह दूसरे पौधे की जड़ों से भोजन चूसते रहते हैं, जो कि पौधे को पोषण देते हैं .

सरकारी दिशानिर्देशों के साथ मनाएं मुहर्रम

मितौली–खीरी। इंडियन शिया यूथ वेलफेयर सोसाइटी रजिद्र के जिलाध्यक्ष एस. हसन जाजिब आब्दी में मोहर्रम में मजलिसों के एहतेमाम को ले कर सादगी और सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के साथ इस गम की याद को ताजा रखने की क्षेत्रवासियों से अपील की, आब्दी ने कहा कि अपने घरों में ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए अपने प्रोग्राम्स करे और कोविड–१९ के इस दौर में सरकार का सहयोग करे, हमारा मकसद किसी को तकलीफ देना नही बल्कि अपने गम को जाहिर करना है, मोहर्रम कोई त्योहार नही बल्कि मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन अ. स. के द्वारा आज से १४४२ साल पहले कर्बला के मैदान में जुल्म और आतंकवाद के खिलाफ उठाई गई आवाज है जिसमे वो यजीद नामक दुनिया के पहले आतंकवादी के आगे सर न झुकाते हुए शहीद हो गए थे, मोहर्रम इमाम हुसैन और उनके अपने ७२ साथियों के द्वारा दी गयी शहादत की एक गमगीन शहादत की यादगार है हजरत इमाम हुसैन के शहादत की अनोखी मिसाल है मुहर्रम, जानिए इसका इतिहास, मोहर्रम जुल्म और आतंकवाद के खिलाफ जंग का नाम है, पैगंबर मुहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन एवं उनके साथियों की शहादत की याद में मुहर्रम मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार मुहर्रम हिजरी संवत का प्रथम मास है। मुहर्रम इस्लाम धर्म में विश्वास करने वाले लोगों का एक प्रमुख त्योहार है। इस माह की उनके लिए बहुत विशेषता और महत्ता है। मुहर्रम एक महीना है जिसमें दस दिन इमाम हुसैन के शोक में मनाए जाते हैं। इसी महीने में मुसलमानों के आदरणीय पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब, मुस्तफा सल्लाहों अलैह व आलही वसल्लम ने पवित्र मक्का से पवित्र नगर मदीना में हिजरत किया था। इतिहास– कर्बला यानी आज का सीरिया जहां सन् ६० हिजरी को यजीद इस्लाम धर्म का खलीफा बन बैठा। वह अपने वर्चस्व को पूरे अरब में फैलाना चाहता था जिसके लिए उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती थीभल पैगम्बर मुहम्मद के खानदान का इकलौता चिराग इमाम हुसैन जो किसी भी हालत में यजीद के सामने झुकने को तैयार नहीं थे। इस वजह से सन् ६१ हिजरी से यजीद के अत्याचार बढ़ने लगे। ऐसे में वहां के बादशाह इमाम हुसैन अपने परिवार और साथियों के साथ मदीना से इराक के शहर कुफा जाने लगे पर रास्ते में यजीद की फौज ने कर्बला के रेगिस्तान पर इमाम हुसैन के काफिले को रोक दिया। वह २ मुहर्रम का दिन था, जब हुसैन का काफिला कर्बला के तपते रेगिस्तान पर रुका। वहां पानी का एकमात्र स्त्रोत फरात नदी थी, जिस पर यजीद की फौज ने ६ मुहर्रम से हुसैन के काफिले पर पानी के लिए रोक लगा दी थी। बावजूद इसके इमाम हुसैन नहीं झुके। यजीद के प्रतिनिधियों की इमाम हुसैन को झुकाने की हर कोशिश नाकाम होती रही और आखिर में युद्ध का ऐलान हो गया। इतिहास कहता है कि यजीद की ८०००० की फौज के सामने हुसैन के ७२ बहादुरों ने जिस तरह जंग की, उसकी मिसाल खुद दुश्मन फौज के सिपाही एक–दूसरे को देने लगे। लेकिन हुसैन कहां जंग जीतने आए थे, वह तो अपने आपको अल्लाह की राह में त्यागने आए थे। उन्होंने अपने नाना और पिता के सिखाए हुए सदाचार, उच्च विचार, अध्यात्म और अल्लाह से बेपनाह मुहब्बत में प्यास, दर्द, भूख और पीड़ा सब पर विजय प्राप्त कर ली। दसवें मुहर्रम के दिन तक हुसैन अपने भाइयों और अपने साथियों के शवों को दफनाते रहे और आखिर में खुद अकेले युद्ध किया फिर भी दुश्मन उन्हें मार नहीं सका। आखिर में अस्र की नमाज के वक्त जब इमाम हुसैन खुदा का सजदा कर रहे थे, तब एक यजीदी को लगा की शायद यही सही मौका है हुसैन को मारने का। फिर, उसने धोखे से हुसैन को शहीद कर दिया। लेकिन इमाम हुसैन तो मर कर भी जिंदा रहे और हमेशा के लिए अमर हो गए। पर यजीद तो जीत कर भी हार गया। उसके बाद अरब में क्रांति आई, हर रूह कांप उठी और हर आंखों से आंसू निकल आए और इस्लाम गालिब हुआ।

किसी प्रकार का जुलूस नहीं निकलेगा त्योहारों पर

मोहम्मदी–खीरी। मोहर्रम पर्व को लेकर उप जिलाधिकारी स्वाति शुक्ला की अध्यक्षता में तहसील सभागार में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें उप जिलाधिकारी स्वाति शुक्ला ने वैश्विक महामारी को देखते हुए मोहर्रम और गणेश चतुर्थी पर किसी प्रकार का जुलूस का आयोजन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा जिस तरीके से कावड़ यात्रा, ईद, बकरीद जन्माष्टमी का त्यौहार सादगी से बनाया गया है उसी तरीके से मोहर्रम का पर्व गम के माहौल में मनाएं। पुलिस उपाधीक्षक विवेक उपाध्याय ने सभा को संबोधित करते हुए दोनों त्योहार महत्वपूर्ण है किसी प्रकार का ऐसा कोई काम न करें जिससे आपसी भाईचारे को खतरा हो, शासन की गाइड के अनुसार ही त्योहार मनाए प्रभारी निरीक्षक संजय त्यागी ने कहा कानून को तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जाएगी जो भी शासन की गाइडलाइन को नहीं मानेगा उसके खिलाफ उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। बैठक में कस्बा इचार्ज जगपाल सिंह, इमाम असजद सिद्दीकी, विवेक शुक्ला, शिया कमेटी के प्रमुख अब्बास नकवी, देवेंद्र रस्तोगी, मोहम्मद हसन नकवी, मनोज गुप्ता, मोहम्मद इलियास, जमीर अहमद रिजवी, मोहम्मद, मुबीन खां, मो.आरिफ सिददीकी, आलिम रजा, बलराम वरूण, नीरज रसतोगी सहित सभी धर्मों के लोगो के साथ ताजियादार मौजूद रहे।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० को लागू करने के लिए १७ सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० के लागू करने हेतु कार्य योजना बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने १७ सदस्यीय टास्क फोर्स गठित करने की संस्तुति दे दी है। इस टास्क फोर्स के अध्यक्ष उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा और बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी सह–अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। यह टास्क फोर्स बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा व व्यावसायिक शिक्षा में नए कोर्स व समय की मांग के अनुसार पाठ्यक्रम में बदलाव करना, टेक्नोलजी का कुशल प्रयोग और नव प्रयोग को किस तरह बढ़ावा देकर बेहतर ढंग से नई शिक्षा नीति को लागू किया जाए इस पर अपने सुझाव देगी। यही नहीं युवाओं को देश के बारे में और इसकी विविध, सामाजिक तथा सांस्कृतिक एवं तकनीकी आवश्यकताओं के बारे में ज्ञानवान बनाने पर जोर देगी। इस टास्क फोर्स की पहली बैठक २७ अगस्त को आयोजित की जाएगी। यूपी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–२०२० को बेहतर ढंग से लागू करवाने के लिए उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा

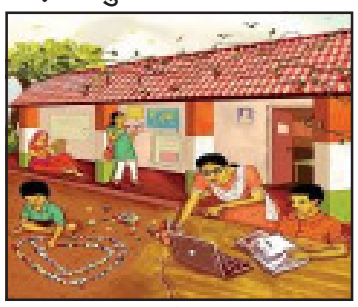

की अध्यक्षता में १७ सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सतीश द्विवेदी को सह अध्यक्ष बनाया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० को बेहतर ढंग से लागू करवाने के लिए बनाई गई टास्क फोर्स में सदस्य के रूप में राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष डॉ. गिरीश चंद्र त्रिपाठी, अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा रेणुका कुमार, अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा राधा एस चौहान, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला शामिल हैं। इसी प्रकार भारत सरकार के पूर्व सचिव अनिल स्वरूप, सीबीएसई के पूर्व अध्यक्ष अशोक गांगुली, एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष वाचस्पति मिश्रा, पूर्व निदेशक माध्यमिक शिक्षा वीपी खांडेवाल व कृष्ण मोहन त्रिपाठी, लखनऊ विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर निशी पांडेय, लविवि के ही अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर अरविंद मोहन, लविवि के डॉ. अब्बास नैयर व महानिदेशक सर्वशिक्षा अभियान विजय किरण आनंद शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई शिक्षा नीति को लागू करवाने के लिए एक १६ सदस्यीय स्टेयरिंग कमेटी पहले ही गठित की जा चुकी है। इसकी सप्ताह में तीन दिन वर्चुअल बैठक आयोजित हो रही है।

अपार्टमेंट में बाहरी जिलों से आने वाले रहेंगे सात दिनों के लिए क्वारेंटाइन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के भर के सभी रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को निर्देशित किया गया है कि अगर उनके अपार्टमेंट दूसरे जिले से कोई व्यक्ति आ रहा है तो उसको सात दिन के लिए क्वारेंटाइन किया जाना जरूरी होगा। आरडब्ल्यूए, एलडीए अफसरों की मंडलायुक्त मुकेश मेश्राम और उपाध्यक्ष शिवाकांत द्विवेदी के साथ बुधवार की शाम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बैठक में ये निर्णय किया गया। दूसरी ओर सभी पदाधिकारियों को आइवरमेक्टिंग टेबलेट का वितरण किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि राजधानी के सभी मेडिकल स्टोर पर इन दवाओं की कमी को पूरा किया जाना जरूरी है। कोविड–१६ से बचाव को लेकर बैठक में करीब १०० आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी मौजूद रहे। जिनको शारीरिक दूरी, कंटेनमेंट, सेनिटाइजेशन, कांटेक्ट ट्रेसिंग पर विस्तार से जानकारी दी गई। अधिक से अधिक जन सहभागिता व जागरूकता पर जोर दिया गया। इस बैठक में डीएम अभिषेक प्रकाश ने पदाधिकारियों से कहा कि वे अपार्टमेंट बाहर के जिलों से आने वाले हर व्यक्ति को सात दिन तक क्वारेंटाइन करने के लिए कहें। यदि ऐसे किसी व्यक्ति की तबीयत खराब होती है तो उसकी जानकारी जिला प्रशासन को दी जाए। दूसरी मंडलायुक्त ने कहा कि सभी अपार्टमेंट में हेल्प डेस्क को बनाया जाए। अंदर आने से पहले सभी के तापमान की जांच की जाए। पदाधिकारियों को हेलो डक्टर, हेल्पलाइन के सभी नंबरों की जानकारी दी गई। गोमती नगर विस्तार महासमिति के सचिव उमाशंकर दुबे ने बताया कि पदाधिकारियों को ८०–८० गोली आइवरमेक्टिंग टेबलेट दी गई हैं। मगर ये कम हैं। मेडिकल स्टोर पर भी ये दवा उपलब्ध नहीं है।

गैंगस्टर पुलस्त तिवारी का घर से उठाकर किया एन्काउंटर : नूतन ठाकुर

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में नौ अगस्त को हुए २५००० के इनामी गैंगस्टर पुलस्त तिवारी के एनकाउंटर मामले में नया मोड़ आ गया है। सामाजिक कार्यकर्ता व एडवोकेट नूतन ठाकुर ने दावा किया है कि आशियाना थाने के दारोगा महेश दुबे ने पुलस्त तिवारी को उसके घर से शाम को उठाया था और एक कार में बैठा करके अपने साथ ले गए थे। वीडियो व तस्वीरों में पुलस्त को अपने साथ ले जाते दो शख्स दिख रहे हैं। जिसमें से एक ने धारीदार टीशर्ट और जींस पहन रखी है। दावा किया जा रहा है कि टीशर्ट और जींस वाले शख्स ही दारोगा महेश दुबे हैं। बाद में वह इसी टीशर्ट में मुठभेड़ स्थल व डीसीपी ईस्ट चारू निगम के साथ मीडिया से वार्ता के दौरान भी दिख रहे हैं। इससे मुठभेड़ के असली होने के दावों पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। वहीं यह वीडियो व तस्वीर

सामने आने के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच का निर्देश दिया है। आशियाना थाना पुलिस ने दावा किया था कि नौ अगस्त को रात करीब ८: ३० से ९ :०० बजे के बीच नगर निगम जोन–८ के सामने रतन खंड रेलवे लाइन के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान एक युवक बिना नंबर की बाइक से जा रहा था। जिसे रोका गया, लेकिन वह आगे बढ़ गया। पुलिस ने उसका पीछा किया तो वह फायरिंग करने लगा। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। बदमाश की पहचान गैंगस्टर पुलस्त तिवारी पुत्र जितेंद्र नाथ तिवारी आशियाना के रूप में की गई थी। मुठभेड़ के फर्जी होने को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से भी शिकायत की गई है। एसीपी कैंट बीनू सिंह ने बताया कि पूरे मामले की जांच का निर्देश दिया गया है। वीडियो व तस्वीर के प्रामाणिकता की जांच कराई जाएगी। उसके बाद उचित कार्रवाई होगी।

जल्द ही काम पर वापसी करेंगे टाइगर

मुंबई। बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ लगभग पांच महीने के बाद काम पर दोबारा वापसी करने वाले हैं। टाइगर ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की है जिसके उनके हाथ में 'फेथ' लिखा नजर आ रहा है। अपने इस पोस्ट

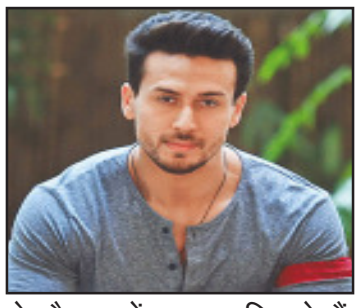

के कैप्शन में टाइगर लिखते हैं, वापस काम पर हैशटैगकिपदफेथ। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वह फिलहाल किसकी शूटिंग कर रहे हैं। टाइगर ने इससे पहले अपना एक वीडियो साझा किया था जिसमें वह वर्कआउट करते और अपनी बॉडी को फ्लॉन्ट करते दिख रहे थे। फिल्मों की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार अहमद खान द्वारा निर्देशित 'बागी ३' में देखा गया था जो कि इस फिल्म की तीसरी किश्त थी। रिलीज होने के बाद फिल्म की शुरूआती कमाई अच्छी रही, लेकिन लकडाउन के चलते ऐसा होना बंद हो गया।

सेर्नी संग वीडियो पॉडकास्ट शो में आने को तैयार जैकलीन

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अमांडा सेर्नी के साथ वीडियो पॉडकास्ट में आने को तैयार हैं। जैकलीन फर्नांडीज ने इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब पर ६० मिलियन से अधिक फॉलोवर्स का आंकड़ा छू लिया है। वहीं, यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ४५ मिलियन से अधिक फलोअर्स के साथ अमांडा सेर्नी सबसे लोकप्रिय सोशल मीडिया सितारों में से एक हैं। इस साल गर्मी के अंत तक अमांडा और जैकलीन के साथ लॉन्च होने वाले 'फील्स गुड' में दुनिया के विभिन्न कोनों से बिछड़ी हुई 'इन दो बहनों' को एक साथ पेश किया जाएगा, जो दुनिया भर से साप्ताहिक

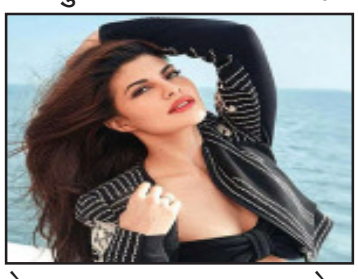

प्रेरणादायक समाचार अपडेट, समीक्षा और अप्रत्याशित मेहमानों के साथ मुखातिब होंगी। यह बातचीत डेटिंग, वेलनेस और संस्कृति के इर्दगिर्द घूमती हुई नजर आएगी, जबकि दर्शकों के सामने सब कुछ अच्छा महसूस करवाने वाले कंटेंट पेश किया जाएगा। जैकलिन और अमांडा ने एक संयुक्त बयान में कहा, "हम जो करते है वह हमें पसंद है और वेलनेस, संस्कृति, डेटिंग, प्रेरक समाचारों के साथ–साथ कभी–कभी आश्चर्यजनक अतिथि का स्वागत करने वाले एक नए मंच के बारे में सोच कर ही .. अच्छा महसूस हो रहा है। इन दो हस्तियों के साथ किये गए इस सौदे की घोषणा पॉडकास्ट मंच पॉडकास्टवन ने की है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक